आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 351 | जयपुर, बुधवार 01 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

गुजरात के.... पेज 2

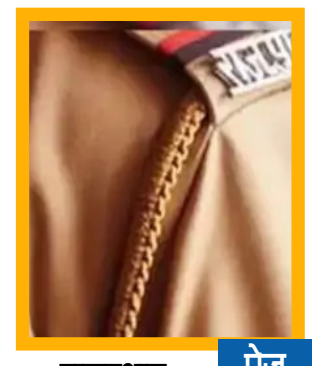

राजस्थान पुलिस में... पेज 3

मुंबई में चलती स्कूल बस पर पेड़ गिरा: बस में फंसे एक छात्र की मौत

11 घायल: सभी स्टूडेंट स्कूल से घर लौट रहे थे

मुंबई। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार दोपहर प्राइवेट स्कूल बस पर एक पेड़ गिर गया। बस में कुल 12 स्टूडेंट थे। उनमें से 11 का रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं बस में फंसे 11 साल के छात्र विहान श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। स्कूल की छुट्टी के बाद प्राइवेट बस रोज की तरह बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। तभी रोड नंबर 11 पर सड़क किनारे लगे पेड़ की बड़ी डालियां बस की छत पर आ गिरीं, जिससे बस का अगला और बीच का हिस्सा बुरी तरह दब गया। पेड़ गिरते ही बस के अंदर मौजूद बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग बस के पास पहुंचे। स्थानीय लोगों, पुलिस और फायर ब्रिगेड ने घायल बच्चों को बस से बाहर निकाला। मशीनों और कटर की मदद से पेड़ को काटा गया।

परिजन घटनास्थल पर पहुंचे

हादसे की खबर मिलते ही बच्चों के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। अपने बच्चों की चिंता में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और सभी की निगाहें रेस्क्यू ऑपरेशन पर टिकी हुई हैं। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर ट्रैफिक को नियंत्रित करना शुरू कर दिया है।

24 जून- मुंबई में बारिश से पेड़ उखड़े, कई गाड़ियां दबीं

मुंबई में 23 जून को 13 दिन की देरी से मानसून की एंट्री हुई थी। इसके बाद से मुंबई में आंधी-बारिश जारी है। 24 जून को तेज बारिश के बाद अंधेरी सब-वे में पानी भर गया था। इसके बाद इसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया था। वहीं विक्रोली वेस्ट में रिहायशी इमारत के पास बनी रिटेनिंग वॉल गिर गई थी। कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए थे, जिसकी चपेट में आने से कई वाहनों को नुकसान पहुंचा था।

बिहार-एनकाउंटर में मारे गए भरत के घर बजे देशभक्ति गीत

तेरहवीं पर मां बोली- सम्राट पर भरोसा नहीं; मांझी ने कहा- पुलिस ने सही किया

आरा (भोजपुर)। बिहार के भोजपुर में 17 जून को पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की तेरहवीं है। करीब 25 हजार लोगों के लिए खाने का इंतजाम है। जबकि 15 हजार और लोगों के लिए राशन स्टॉक रखा गया है। श्राद्ध का भोज शुरू हो चुका है। अब तक 14 हजार लोग भोज खा चुके हैं। भरत तिवारी के घर पर देशभक्ति गीत बजाए जा रहे हैं। श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे लोगों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने भ्रष्ट व्यवस्था मुर्दाबाद, बलिदानी लड़े थे गोरों से, हम लड़ेंगे कालों से, चारों तरफ अंधेरा है, पहरेदार लुटेरा है, शहीदों, हम शर्मिंदा हैं के नारे लगाए। इधर, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने भरत तिवारी के एनकाउंटर को सही ठहराया है। उन्होंने कहा, मेरे ऊपर कोई पिस्टल लहराएगा तो मैं उसे कैसे छो? सकता हूं। पुलिस मर जाए तो बहुत अच्छा। अगर कोई पुलिस पर पिस्टल तानने वाला मारा जाए तो सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने जो किया वो सही है।

मां बोली- सम्राट और उनकी पुलिस पर भरोसा नहीं

भरत तिवारी की मां आशा देवी ने कहा कि आज बेटे का श्राद्धकर्म है, लेकिन मेरे बेटे की हत्या के आरोपियों की आज तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। आम आदमी कोई गलती करता है, तो पुलिस तत्काल उसे पकड़ लेती है। लेकिन मेरे बेटे के केस में पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। गांव में भरत का स्मारक बनना चाहिए, लेकिन मुझे बिहार सरकार से उम्मीद नहीं है कि वो ऐसा करेगी। भरत तिवारी के छोटे भाई चंदन तिवारी ने कहा कि मुझे कोर्ट पर भरोसा है, कोर्ट से हमें न्याय मिलेगा।

बंगाल से कश्मीर तक 1500किमी. लंबी मानसून पट्टी बनी

इससे उत्तर भारत में 1 से 4 जुलाई तक भारी बारिश संभव, 26 राज्यों में मानसून पहुंचा

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून ने मंगलवार दोपहर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश में एंट्री कर ली है। देश में अब तक 26 राज्यों को कवर कर लिया है। इससे पहले 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। इसके बाद 6 दिन अटका रहा। इससे कई राज्यों में गर्मी और उमस बनी हुई है। उधर, दिल्ली और उत्तर भारत के लिए राहत की खबर आ रही है। सैटेलाइट तस्वीरों में करीब 1,500 किमी लंबी मानसून ट्रफ (कम दबाव की लंबी पट्टी) बनती हुई दिखाई दी है। यह उत्तरी बंगाल की खाड़ी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मानसून ट्रफ बन चुकी है, लेकिन फिलहाल यह हिमालय की तलहटी (फुटहिल्स) के करीब स्थित है। यह ट्रफ धीरे-धीरे दक्षिण की ओर अपनी सामान्य स्थिति में पहुंचेगी, उत्तर भारत में बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर 1 से 4 जुलाई के बीच भारी बारिश हो सकती है।

समझें, मानसून ट्रफ क्या होती है

मानसून ट्रफ कम दबाव क्षेत्र की एक लंबी पट्टी

होती है, जिसे दक्षिण-पश्चिम मानसून की रीढ़ माना जाता है। यह ट्रफ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी से भरी हवाओं को भारत के अंदरूनी हिस्सों तक खींचकर लाती है। इसी वजह से देश के कई इलाकों में बारिश होती है।

असम में बाढ़, 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित

अरुणाचल प्रदेश और असम के कई हिस्सों में लगातार बारिश की वजह से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। अरुणाचल में बारिश से लेकू नदी उफान पर आ गई, जिससे असम के जोनाई इलाके में भीषण बाढ़ आ गई। नेशनल हाईवे-515 भी डूब गया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, बाढ़ से राज्य के छह जिलों में 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा असर धेमाजी जिले में पड़ा है, जहां करीब 16 हजार लोग प्रभावित हैं। बाढ़ से 96 गांव डूब गए हैं, करीब 1690 हेक्टेयर फसल और 48 हजार से ज्यादा जानवर प्रभावित हुए हैं।

6 राज्यों में गर्मी का असर, पारा 40डिग्री पार

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात के कई शहरों में मंगलवार को पारा 40डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा हरियाणा के रोहतक में 43.5डिग्री दर्ज किया गया। वहीं दिल्ली में 43.4डिग्री, यूपी के बांदा में 43.2डिग्री, मध्य प्रदेश के खजुराहो में 41.2डिग्री, पंजाब के आनंदपुर साहिब में 40.6डिग्री और गुजरात के सुरेंद्रनगर में 40.5डिग्री रहा।

भारत में 9 करोड़ बच्चे हीटवेव की चपेट में

यूनिसेफ की चिल्ड्रन्स क्लाइमेट रिस्क रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भारत में करीब 8.93 करोड़ बच्चे ऐसे इलाकों में रहते हैं, जहां हीटवेव का खतरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के लगभग 99.7 प्रतिशत बच्चे किसी न किसी जलवायु संबंधी खतरे का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 96.2 प्रतिशत भारतीय बच्चे सूखे के खतरे वाले क्षेत्रों में रहते हैं, जबकि 92 प्रतिशत बच्चे तेज गर्मी से प्रभावित हैं, जहां तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है। रिपोर्ट ने बच्चों पर बढ़ते जलवायु संकट को गंभीर चिंता का विषय बताया है।

अमेरिकी सांसद बोले-भारत से 30 साल में सबसे खराब रिश्ते

ट्रम्प के एकतरफा फैसले ने भरोसा तोड़ा, यकीन न हो तो जयशंकर से पूछिए

वॉशिंगटन डीसी। भारतीय मूल के अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों की वजह से भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले 30 साल में सबसे खराब दौर में पहुंच गए हैं। वॉशिंगटन में आयोजित यूएस-इंडिया स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप फोरम लीडरशिप समिट 2026 में उन्होंने कहा कि ट्रम्प की टैरिफ नीति, ईरान के साथ युद्ध और सहयोगी देशों से बिना सलाह लिए फैसले करने से अमेरिका की साख को नुकसान पहुंचा है। खन्ना ने कहा मैं बातों को घुमाकर नहीं कहता। भारत-अमेरिका के रिश्ते पिछले 30 साल में सबसे निचले स्तर पर हैं। ईरान युद्ध का असर भारत में गैस की कीमतों पर भी पड़ा। अगर भरोसा नहीं है तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर से पूछ लीजिए।

खन्ना बोले- टैरिफ से भरोसे की एक पीढ़ी खत्म हो गई

रो खन्ना ने ट्रम्प की टैरिफ नीति को भी गलत बताया। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में चीन यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात एक भारतीय राजदूत से हुई। खन्ना के मुताबिक राजदूत ने उनसे कहा, 'आपके राष्ट्रपति की वजह से भरोसे की एक पूरी पीढ़ी खत्म हो गई है।' उन्होंने कहा कि अगर ट्रम्प की नीतियों से हुए नुकसान को स्वीकार नहीं किया गया तो यह सच्चाई से मुंह मोड़ने जैसा होगा। रो खन्ना ने ट्रम्प को 'लेम डक' राष्ट्रपति बताते हुए दावा किया कि डेमोक्रेटिक पार्टी अगले मिड-टर्म चुनाव में प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करेगी और 2028 का राष्ट्रपति चुनाव भी जीतेगी। नई पीढ़ी को अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के देशों के साथ उसके रिश्ते भी दोबारा मजबूत करने होंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट का जिक्र करते हुए कहा कि वे दुनिया के देशों के साथ मिलकर चलने में विश्वास रखते थे और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का भी समर्थन करते थे।

अमेरिकी राजदूत बोले- भारत के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं

कार्यक्रम में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहता है और दुनिया में भारत की बढ़ती ताकत को पूरी तरह स्वीकार करता है। गोर ने कहा, 'हम भारत के साथ एक और बड़े समझौते को पूरा करने के बहुत करीब हैं। प्रस्तावित व्यापार समझौता अंतिम चरण में पहुंच गया है।' गोर ने बताया कि कुछ हफ्ते पहले नई दिल्ली में एक भारतीय मंत्री से उनकी मुलाकात हुई थी। मंत्री ने कहा, खबरों में चाहे जो दिखे, 50 साल बाद भी भारत और अमेरिका दोस्त रहेंगे। अमेरिका दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र है और भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र।

गोर ने मोदी-ट्रम्प की दोस्ती का किस्सा भी सुनाया

गोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प की दोस्ती का एक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले ट्रम्प सुबह 6 बजे (भारतीय समयानुसार) ही पीएम मोदी को फोन करना चाहते थे।

पुणे मर्डर- क्या हुडी में दिखा व्यक्ति चेतन ही था

पुलिस चलने का तरीका जांचेगी, सिया का केस लड़ने पर 2 वकीलों का दावा

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में पुलिस आरोपी चेतन चौधरी का गेट एनालिसिस करेगी। गेट एनालिसिस यानी पुलिस चेतन के चलने का तरीका, बॉडी मूमेंट, कदमों की लंबाई की जांच करेगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि दावा है कि 18 जून को (मर्डर वाले दिन) लोहगढ़ फोर्ट पर हुडी पहने दिखा युवक चेतन ही था। इधर, मर्डर के इस मामले में नया कानूनी विवाद सामने आया है। आरोपी सिया का केस लड़ने को लेकर आशुतोष श्रीवास्तव नाम के वकील और सिया के परिवार के बीच विवाद की स्थिति बनती दिख रही है। दरअसल, 2 वकीलों आशुतोष श्रीवास्तव और विपुल दुशिंग ने सिया गोयल की ओर से कोर्ट में पैरवी करने का दावा किया है। आशुतोष का कहना है कि सिया गोयल ने अपना केस लड़ने के लिए उन्हें नियुक्त किया है। 29 जून को सिया के भाई साहिल ने कहा कि हमारे वकील विपुल दुशिंग हैं। आशुतोष श्रीवास्तव हमारे वकील नहीं है, वे हम पर प्रेशर बना रहे हैं। इसके बाद श्रीवास्तव ने साहिल को 10 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा।

दो वकीलों का विवाद कब शुरू हुआ

मामला 29 जून को सुनवाई के दौरान बड़ा। जब वडगांव मावल कोर्ट में सुनवाई के दौरान सिया ने कथित तौर पर कहा कि आशुतोष श्रीवास्तव मेरे वकील नहीं हैं। मेरी ओर से विपुल दुशिंग पैरवी कर रहे हैं। इसके बाद आशुतोष श्रीवास्तव ने साहिल गोयल को कानूनी नोटिस भेजकर 10 करोड़ रुपए हर्जाने की मांग की है। नोटिस में उन्होंने मांग की है कि साहिल (सिया का भाई) उनके खिलाफ दिए गए कथित बयान तुरंत वापस लें। सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगें। केतन मर्डर केस में आरोपी चेतन चौधरी राजस्थान के जोधपुर के पलासनी गांव का रहने वाला है। दैनिक भास्कर ने चेतन के दोस्तों से बातचीत की है। उनके मुताबिक, चेतन के पिता की दुकान (किराना) के सामने सिया गोयल के पिता का ऑफिस है।

पाकिस्तान बोला- हमारा पानी रोका तो हाथ काट देंगे: सिंधु जल संधि अब भी लागू, भारत इसे एकतरफा खत्म नहीं कर सकता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है। मुसादिक मलिक ने सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल है। वे कहते हैं कि पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे। जो हमारे हिस्से के पानी पर दावा करेंगे, उनके हाथ काट दिए जाएंगे। वहीं अताउल्लाह तरार ने कहा कि सिंधु जल संधि कानूनी रूप से अब भी लागू है। भारत इसे न तो एकतरफा स्थगित कर सकता है, न रद्द कर सकता है और न ही इसमें बदलाव कर सकता है।

सिंधु जल संधि पर सेमिनार करेगा पाकिस्तान

पाकिस्तानी मंत्रियों ने बताया कि मंगलवार को इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि पर पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार किया जाएगा। इसमें कानूनी

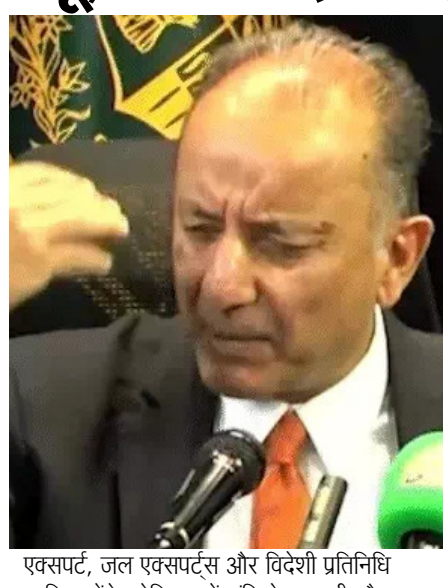

एक्सपर्ट, जल एक्सपर्ट्स और विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। सेमिनार में संधि के कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा होगी। डॉन के मुताबिक, तरार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत पाकिस्तान के अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पहले भी साफ कर चुके हैं कि पानी हमारी जीवनरेखा है और यह हमारी रेड लाइन भी है।

21 जून को PAK रक्षा मंत्री बोले थे- भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 21 जून को सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। पाकिस्तानी चैनल न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता क्या है?

सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाकिस्तान के इंजीनियरों के बीच स्टैंडस्टिल समझौता हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के पीएम नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

वरिष्ठ नेता कुंवर गोरधन सिंह रीठौटी ने अपनी धर्मपत्नी के साथ महाराज के मंदिर स्थित गोवर्धन में पंडित अजय कृष्णा तिवारी ने विधिवत पूजा - अर्चना कराई

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा डीग। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं जिला परिषद सदस्य कुँवर गोरधन सिंह रीठौटी ने अपनी धर्मपत्नी के साथ श्री गिर्राज महाराज जी की पावन धरा पर गोवर्धन में भरतपुर महाराज के मंदिर में पाठ आरती एवं पूजा अर्चना की जो की पंडित श्री अजय कृष्णा तिवारी जी के द्वारा विधिवत रूप से संपन्न कराई गई । श्री गिर्राज महाराज के दर्शन कर सभी के मंगल की कामना की । लोगों में आपसी भाई चारा बना रहे, सामाजिक सौहाद्र बना रहे और सभी क्षेत्रवासियों का मंगल हो । इस समय उनके साथ वरिष्ठ पत्रकार दीपचंद शर्मा जी मौजूद रहे ।

वर्तमान राजनीतिक माहौल में सोशल मीडिया की भूमिका एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी , सीमित संसाधनों में भी हिम्मत से काम कर रहे हैं कंटेंट क्रिएटर्स: अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा/जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को विश्व सोशल मीडिया दिवस के अवसर पर जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशभर से आए डिजिटल मीडिया जर्नलिस्ट्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और प्रबुद्धजनों से सार्थक संवाद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गहलोत ने सोशल मीडिया के बढ़ते महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और लोकतंत्र में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। इस दौरान कई सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स ने सोशल मीडिया तथा अपने काम को लेकर जानकारी दी एवं विचार व्यक्त किए। वर्तमान राजनीतिक माहौल में सोशल मीडिया की भूमिका बेमिसाल और एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी, श्री गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की ताकत की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान राजनीतिक माहौल में सोशल मीडिया की भूमिका वाकई बेमिसाल और एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी है। आज के दौर में सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स बेहद हिम्मत और कड़ी मेहनत के साथ अपने विचारों को जनता के सामने रख रहे हैं। उन्होंने क्रिएटर्स की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि ये युवा और पत्रकार अपने सीमित संसाधनों के बावजूद, उनसे आगे बढ़कर बेहतरीन काम

कर रहे हैं जो कि काबिलेतारीफ है। अरावली बचाओ मुहिम और राम मंदिर चंदा चोरी मुद्दे का किया जिक्र = सोशल मीडिया के जरिए सामाजिक मुद्दों में आने वाले बदलावों का जिक्र करते हुए श्री गहलोत ने अरावली बचाओ अभियान का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर चली इस मुहिम ने इसे इतना बड़ा मुद्दा बना दिया कि आखिरकार सुप्रीम कोर्ट को खुद अपने ही फैसले पर रोक लगानी पड़ी। इसके साथ ही उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चंदा चोरी के मुद्दे को लेकर कहा कि यह मुद्दा इस समय सोशल मीडिया पर पूरी तरह छाया हुआ है और सोशल मीडिया ही इस गंभीर विषय को प्रमुखता से उठा रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की डिजिटल पॉलिसी और क्रेडिबिलिटी बनाए रखने का संदेश = अपने संबोधन में पूर्व मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने डिजिटल मीडिया के महत्व को समझते हुए उनके कल्याण और सहयोग के लिए एक प्रभावी डिजिटल मीडिया पॉलिसी बनाई थी, लेकिन दुर्भाग्यवश सरकार बदल गई। इसके साथ ही उन्होंने सभी सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स को एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में आपकी क्रेडिबिलिटी (विश्वसनीयता) सबसे ऊंची होनी चाहिए। अगर आपकी विश्वसनीयता मजबूत होगी, तो जनता का विश्वास आप पर हमेशा बना रहेगा।

देश के राजनीतिक हालात और हॉर्स ट्रेडिंग पर गहरी चिंता = मंच से बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने देश के वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने राजनीतिक शुचिता में आ रही गिरावट और जिस प्रकार से जनप्रतिनिधियों की हॉर्स ट्रेडिंग हो रही है, उस पर तीखा कटाक्ष किया। इस मौके पर श्री गहलोत ने सभी उपस्थित सोशल मीडिया क्रिएटर्स को आश्वस्त किया कि अभिव्यक्ति की आजादी और सही मुद्दों को उठाने के लिए सोशल मीडिया को उनका हरसंभव और मजबूत समर्थन हमेशा मिलता रहेगा। इससे पहले श्री गहलोत के हाल के सोशल मीडिया अभियानों जैसे इंतजार शास्त्र, अरावली बचाओ इत्यादि पर एक प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत की गयी जिसके माध्यम से उनकी सोशल मीडिया के जरिए बदलाव लाने के प्रयासों को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री प्रताप सिंह खाचरियावास और जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री सुनील शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए और सोशल मीडिया की ताकत को सराहा। विश्व सोशल मीडिया दिवस इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र राठौड़ द्वारा किया गया था। कार्यक्रम के समापन पर श्री राठौड़ ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों, पत्रकारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसएमएस अस्पताल के चर्म रोग स्पेलिशट डॉ संदीप शर्मा का आकस्मिक निधन

किशोरपुरा गुड़ा पोंख में शोक की लहर

अंतिम संस्कार में उमड़े आस पास के गांवों के लोग, चिकित्सकों, मीडिया कर्मियों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने संवेदनाएं भेजीं

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। किशोरपुरा गांव के स्व. अस्पताल जयपुर में कार्यरत त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप शर्मा के आकस्मिक निधन के समाचार से गांव क्षेत्र में शोक की लहर बनी हुई है। मंगलवार को डॉ संदीप का मेनागँवार स्थित शमशान भूमि में अंतिम संस्कार किया गया। डॉ संदीप के एक 2 वर्षीय पुत्र राघव एवं 6 वर्ष की पुत्री शिवा है। इनके पिता ओमप्रकाश शर्मा गांव के नामचीन पंडित है। डॉ संदीप के ससुर श्रवण कुमार जोशी वैद्यजी गुड़ा (इलाके) के प्रतिष्ठित व्यक्ति है। डॉ संदीप मिलनानुसार हंसमुख सेवा भावी व्यक्ति थे। उनके मौत के समाचार के बाद हर कोई स्तब्ध है। उनके अंतिम संस्कार में गांव के अलावा आस-पास के गांवों के लोग शामिल थे। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गु?ा, पूर्व मंत्री राजकुमार शर्मा, राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष सोमेंद्र शर्मा, श्याम शर्मा, ब्रामण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प. सुरेश मिश्रा,स्व. के यूनियन अध्यक्ष डॉ. राजपाल मीणा, यूनिट हेड डॉ. रामसिंह मीणा, डॉ नवीन वर्मा,आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा,सत्यपाल सिंह गु?ा, किशोर सैनी, श्रवण पचलंगी,सरपंच मोहन लाल सैनी,संदीप मीणा, प. महेश शर्मा, डॉ, सांवरमल सैनी सहित कई वरिष्ठ लोगों ने डॉ संदीप के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए इसे गांव इलाके के लिए बड़ी क्षति बताया। गौरतलब है कि डॉ संदीप का शव सोमवार को जयपुर के आदर्श नगर इलाके के बर्फ खाने चौराहे के पास एक गाड़ी में मिला था।

नहर के गणेश मंदिर में आज सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार

राजस्थान के अलग-अलग जिलों से आयेंगे ब्राह्मण बटुक

जयपुर। वेद, संस्कार एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण हेतु वेद स्वाध्याय पीठ गुरुकुल के तत्वावधान में भव्य सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार (वैदिक उपनयन संस्कार महोत्सव) का आयोजन 1 जुलाई 2026, बुधवार को होगा। यह पावन आयोजन श्री नहर के गणेश जी मंदिर, माउंट रोड, ब्रह्मपुरी, जयपुर में संपन्न होगा। गुरुकुल के अध्यक्ष आचार्य योगेश पारीक ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रातकाल 7 बजे से प्रारंभ होगा जिसमें 10 विधि स्नान, प्रायश्चित संकल्प, मंडल अर्चन, ग्रह शांति हवन, उपनयन , वेदारंभ, का कार्यक्रम होगा और विद्वानों द्वारा उपनयन का पौराणिक एवं वैज्ञानिक आधार पर व्याख्यान होगा। पंडित महेश कुमार शर्मा ने बताया कि इस संस्कार के माध्यम से बालकों को वेदाध्ययन, संध्योपासना एवं धर्माचरण की प्रेरणा दी जाएगी। इस अवसर पर नहर के गणेश जी के महंत पं. जय शर्मा, युवाचार्य पं.मानव शर्मा , श्री श्री1008सिद्ध योगी बस्तीनाथ जी महाराज, चतुर्वेदाचार्य डॉ आनंद पुरोहित, डॉ कमल चोटिया, अचार्य राजकुमार चतुर्वेदी जी, चेतराम जी महंत जानकी जीवनशरणजी एवं सभी क्षेत्रीय संत महात्माओं का सानिध्य प्राप्त होगा,कार्यक्रम आयोजक कैलाश सोनी ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों को इस उत्साह वर्धन करने वाले धार्मिक एवं सनातन संस्कार के मुख्य आयोजन में पधारने हेतु आव्हाहित किया है।

वरिष्ठ नागरिक कलाकार सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन

जयपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की स्वायत्त संस्था संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली तथा राजस्थान महाविद्यालय, जयपुर (राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से) आयोजित प्रतिज्ञ कार्यक्रम में विश्वविख्यात मोहन वीणा वादक एवं पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट ने अपनी मनोहारी संगीत प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के उपरांत भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया, डायरेक्टर, सेंटर फॉर पब्लिक अवेयरनेस एंड इनफार्मेशन द्वारा आयोजित किए जा रहे ।वरिष्ठ नागरिक कलाकार सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने बताया कि हिन्दी दिवस, 14 सितम्बर को जयपुर में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय सम्मान समारोह में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के भारतीय कलाकारों को, जो गायन, वादन एवं नृत्य के क्षेत्र में निरंतर साधना कर रहे हैं, सम्मानित किया जाएगा। समारोह का उद्देश्य वरिष्ठ कलाकारों की आजीवन साधना को सम्मान देना, उनके अनुभवों को समाज के समक्ष लाना तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति प्रेरित करना है। पंडित विश्व मोहन भट्ट ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वरिष्ठ कलाकार हमारी सांस्कृतिक विरासत के संवाहक हैं। उनका सम्मान करना समाज का नैतिक दायित्व है। उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ भी प्रदान कीं। इस अवसर पर उपस्थित कलाकारों, शिक्षाविदों एवं संगीत प्रेमियों ने इस अभिनव आयोजन को भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी पहल बताया।

गुजरात में गर्मी, अतिक्रमण और अवैध शो से बढ़ा खतरा...

मानव-शेर संघर्ष में एक महीने में 5 की मौत

अमरेली में एक महीने में मानव-शेर संघर्ष से पांच मौतें

अत्यधिक गर्मी, अतिक्रमण और अवैध शो संघर्ष के मुख्य कारण

शेरों के पुनर्वास हेतु बरदा अभयारण्य को विकसित किया जा रहा है

अहमदाबाद। गुजरात के अमरेली के आसपास के इलाकों में इंसानों और शेरों के बीच संघर्ष खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हाल ही में 24 जून की रात को खंभा तालुका के चतुरी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां अपने दादा की उंगली पकड़कर दूध देने जा रहे एक पांच वर्षीय मासूम बच्चे पर शेरनी ने अचानक हमला कर दिया और उसे खींच ले गई। ग्रामीणों के शोर मचाने और लाठियां लेकर ढूंढने पर गांव से करीब एक किलोमीटर दूर बच्चे का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ।

एक महीने में पांच मौतें, 10 शेर पकड़े गए

यह दर्दनाक घटना इस महीने की उन पांच मौतों की कड़ी में नवीनतम है, जिन्हें मानव-सिंह संघर्ष से जोड़कर देखा जा रहा है। गुजरात के पीसीसीएफ जयपाल सिंह ने बताया कि इनमें से दो मौतों में शेर के हमले का संदेह है और जांच जारी है। जिन मामलों की पुष्टि हो चुकी है, उनमें पाया गया कि पीड़ितों के शवों को शेरों ने आंशिक रूप से खाया था। इससे पहले 16 जून को राजुला तालुका के कोवाया गांव के पास उत्तराखंड के रहने वाले 25 वर्षीय एक प्रवासी होटल कर्मचारी को शेर ने मार डाला था, जिसका सिर्फ कटा हुआ सिर और कुछ हिस्से ही अगले दिन मिल पाए। अन्य मौतें अमरेली के बगसरा व सावरकुंडला और भावनगर के महुआ से रिपोर्ट हुई हैं। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर अब तक 10 शेरों को पकड़ा है, जिनमें से तीन को अब दोबारा कभी जंगल में नहीं छोड़ा जाएगा क्योंकि इंसानों का शिकार करने वाले शेरों को हमेशा के लिए कैद में रखने का नियम है।

भीषण गर्मी से बढ़ा शेरों का गुस्सा

एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि हमलों में अचानक आई इस तेजी की एक बड़ी वजह मौसम की स्थिति है। गिर के जंगलों और जूनागढ़ के आसपास आमतौर पर मानसून से पहले बारिश हो जाती थी। लेकिन इस साल मानसून में देरी हुई है, जिससे अत्यधिक और लंबी गर्मी पड़ रही है। शेर आमतौर पर 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास के तापमान में सहज रहते हैं, लेकिन लंबे समय तक जारी इस भीषण गर्मी ने उन्हें चिड़चिड़ा बना दिया है। ऐसी स्थिति में जब इंसान उनके करीब आते हैं या उन्हें परेशान करते हैं, तो शेरों द्वारा हमला करने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

अवैध लायन शो, उत्पीड़न और अतिक्रमण का खेल

एक अन्य वन अधिकारी ने बताया कि अमरेली जिले में मौतों का बढ़ता ग्राफ यहां होने वाले अवैध लायन शो और शेरों की प्रताड़ना की ओर इशारा करता है। जूनागढ़ या भावनगर की तुलना में अमरेली में ऐसी अवैध गतिविधियां अधिक आम हैं। इसके अलावा, गिर और अन्य संरक्षित क्षेत्रों के आसपास हो रहे अवैध अतिक्रमण के कारण शेरों और इंसानी बस्तियों के बीच का बफर जोन सिकुड़ता जा रहा है। अधिकारी के अनुसार, इस पूरे क्षेत्र में शेर और तेंदुओं के हमलों में सालाना औसतन 20-30 लोगों की मौत होती है, जिनमें से लगभग 40त्न मामले शेरों के होते हैं। पिछले साल मई में लाठी तालुका में एक 21 वर्षीय युवक की मौत भी कथित तौर पर अवैध लायन शो आयोजित करने के दौरान शेर के हमले से हुई थी। इसके अलावा, हाल ही में जूनागढ़ के पास एक 7-8 महीने के एशियाई शेर के शावक का शव मिला है, जिसके सिर पर चोट के निशान इंसानी संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं।

क्षमता से अधिक आबादी और सिकुड़ता दायरा

गिर के मुख्य वन क्षेत्र में शेरों को रखने की क्षमता करीब 350 है। हालांकि, वर्ष 2025 की गणना के अनुसार, गुजरात में एशियाई शेरों की कुल आबादी बढ़कर 891 हो चुकी है। इस बढ़ती आबादी के कारण बड़ी संख्या में शेर मुख्य आवास से बाहर निकलकर इंसानी बस्तियों और कृषि क्षेत्रों की ओर फैल रहे हैं। अकेले अमरेली जिले में लगभग 350 एशियाई शेर रह रहे हैं, जो ऊना से महुआ तक के तटीय इलाकों और पहाड़ियों में फैल चुके हैं। इस फैलाव ने शेरों को इंसानी बस्तियों और खेतों के बेहद करीब ला दिया है।

व्यवहार में बदलाव

वन्यजीव फोटोग्राफर और पूर्व राज्य वन्यजीव बोर्ड समिति के सदस्य भूषण पंड्या ने कहा कि गुजरात में शेरों या तेंदुओं के कारण होने वाली अधिकांश मौतें खेती के सीजन के दौरान खुले खेतों में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों की होती हैं। गिर में अवैध रिसॉर्ट और होटल शेरों के गलियारों को रोक रहे हैं। लोग झाड़ियों में आराम कर रहे शेरों को परेशान करते हैं, जिससे वे हमलावर हो जाते हैं। उन्होंने एक रैपिड रिस्पांस टीम और आपातकालीन हेल्पलाइन बनाने की मांग की है। शेर शोधकर्ता डॉ. जलपन रूपापरा का कहना है कि गर्मी के कारण शेरों के व्यवहार पर असर पड़ता है, लेकिन इंसान उनके भोजन के मेनू में शामिल नहीं हैं।

टीचर ने 10वीं के छात्र को मारा ऐसा थप्पड़, फट गया कान का पर्दा; सस्पेंड

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां के एक प्राइवेट स्कूल में एक शिक्षक ने 10वीं क्लास के छात्र को इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि बच्चे के कान का पर्दा फट गया। हालत इतनी गंभीर है कि छात्र को सर्जरी करानी पड़ सकती है। घटना के बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, वहीं आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

पीटी पीरियड के दौरान हुई घटना

बता दें कि यह घटना अहमदाबाद के निकोल इलाके में स्थित चाणक्य स्कूल की है। पीड़ित छात्र स्कूल के गुजराती मीडियम सेक्शन में 10वीं कक्षा में पढ़ता है। स्कूल मैनेजमेंट के मुताबिक, छात्र खेल के मैदान में पीटी पीरियड के दौरान अपने दोस्तों के साथ बैठा बातचीत कर रहा था। इसी दौरान इंग्लिश मीडियम के एक शिक्षक, जिनकी पहचान लक्ष्मण के रूप में हुई है, वहां पहुंचे। उस क्लास से कोई सीधा संबंध न होने के बावजूद, शिक्षक लक्ष्मण ने छात्र को एक के बाद एक कई जोरदार थप्पड़ जड़ दिए।

कान से बहने लगा खून, सुनाई देना हुआ बंद

जानकारी के अनुसार थप्पड़ का असर इतना गंभीर था कि छात्र का बायां कान तुरंत सूज गया और उससे खून बहने लगा। बच्चे को सुनाई देना भी बंद हो गया। स्कूल प्रशासन ने तुरंत इसकी जानकारी छात्र के पिता को दी, जो खबर मिलते ही स्कूल पहुंचे। छात्र के पिता ने बताया कि जब मैं स्कूल पहुंचा, तो मेरे बेटे ने कहा कि उसे ठीक से सुनाई नहीं दे रहा है। मैं उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि उसके बाएं कान का पर्दा फट गया है।

ऑपरेशन भी कराना पड़ सकता है

दूसरी ओर डॉक्टरों का कहना है कि अगर अगले एक हफ्ते में कान की सूजन कम नहीं हुई, तो बच्चे का ऑपरेशन करना पड़ेगा। वहीं पिता ने साफ कहा है कि अगर उनके बेटे को सुनने में कोई हमेशा के लिए दिक्कत होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी स्कूल ट्रस्ट और उस शिक्षक की होगी।

आरोपी शिक्षक ने मानी गलती, पुलिस ने शुरू की जांच

गौरतलब है कि इस मामले के बढ़ने पर आरोपी शिक्षक ने स्कूल ट्रस्ट और छात्र के परिवार के सामने अपनी गलती मान ली है। हालांकि छात्र के पिता ने चोट की गंभीरता को देखते हुए शिक्षक को माफ करने से इनकार कर दिया है और कानूनी रास्ता अपनाया है। इसके बाद कृष्णनगर पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर आरोपी शिक्षक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

राजस्थानी-हिंदी फिल्म 'ओमलो' 3 जुलाई को वेव्स ओटीटी पर होगी रिलीज

कान्स तक पहुंची राजस्थान की मिट्टी की खुशबू, अब ओटीटी पर बिखेरेगी अपना जादू राजस्थानी-हिंदी फिल्म 'ओमलो' की वैश्विक यात्रा जारी

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की मिट्टी की सोंधी महक, वहां की संस्कृति, लोक जीवन और भावनाओं को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म मंचों तक पहुंचाने वाली राजस्थानी-हिंदी फिल्म ओमलो अब दर्शकों के दिलों तक डिजिटल माध्यम से पहुंचने के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित कान्स फिल्म मार्केट में अपनी विशेष स्क्रीनिंग और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबरदस्त सराहना हासिल करने के बाद अब यह चर्चित फिल्म 3 जुलाई 2026 को वेव्स ओटीटी पर रिलीज होगी। अपनी भावनात्मक कहानी, राजस्थानी संस्कृति की आत्मा और वैश्विक स्तर पर मिल रही पहचान के कारण ओमलो लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म की प्रेस कॉन्फ्रेंस जयपुर में आयोजित की गई जहां अभिनेता, लेखक, निर्देशक और निर्माता सोनू रणदीप चौधरी, निर्माता रोहित माखीजा, मनीष गोपलानी, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीत निर्देशक एवं गायक गाजी खान बरना, सह-निर्माता अजय राठौर, मुख्य अभिनेता शंभू महाजन, देव शर्मा, महेश जिलावा, वंदना गुप्ता तथा हेड ऑफ प्रोडक्शन एवं आर्ट डायरेक्टर यतीन राठौड़ ने मीडिया से बातचीत की।

फिल्म ओमलो बीकानेर के श्री डूंगरगढ़ स्थित धोळिया गांव में पूरी तरह शूट की गई है। यह कहानी एक सात वर्षीय बच्चे और एक ऊंट की समान परिस्थितियों में गुजरती जिंदगी के जरिए दर्द, संघर्ष, असहायता और समाज की सोच को बेहद

संवेदनशील तरीके से सामने लाती है। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी संपूर्ण शूटिंग राजस्थान में हुई है और इसमें राजस्थान के स्थानीय कलाकारों तथा वास्तविक किरदारों को ही शामिल किया गया है। फिल्म पूरी तरह राजस्थान की संस्कृति, लोक जीवन और भावनाओं का सजीव चित्रण करती है। फिल्म ने अपनी भावनात्मक कहानी और सशक्त प्रस्तुति के दम पर देश और विदेश के फिल्म समारोहों में पुरस्कारों की झड़ी लगा दी है। अमेरिका के अटलांटा इंडियन फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का सम्मान अपने नाम किया। राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक पुरस्कार हासिल किए, जबकि गोल्डन ज्यूरी अवॉर्ड्स में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सम्मान मिला। बॉलीवुड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ओमलो ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार जीते। वहीं विंध्य इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान हासिल किया। ग्लोबल बेंगलुरु फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार पुरस्कार से नवाजा गया। लगातार मिल रही इन उपलब्धियों ने ओमलो को क्षेत्रीय सिनेमा की एक मजबूत और वैश्विक पहचान बना दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सोनू रणदीप चौधरी ने कहा 'ओमलो' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि राजस्थान की आत्मा, यहां की संस्कृति और लोगों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है। हमारी कोशिश थी कि हम ऐसी कहानी कहें जो स्थानीय होकर भी दुनिया के हर व्यक्ति के दिल तक पहुंचे। कान्स जैसे प्रतिष्ठित मंच पर फिल्म की प्रस्तुति हमारे लिए गर्व का क्षण था और अब हमें बेहद खुशी है कि यह फिल्म वेव्स ओटीटी के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा और यहां की लोक कहानियों में अपार शक्ति है। वेव्स ओटीटी के माध्यम से 'ओमलो' विश्व के 120 देशों तक पहुंचेगी। फिल्म के जरिए पूरी दुनिया राजस्थान की खूबसूरती, संस्कृति और यहां की कहानियों को करीब से देख पाएगी। इससे राजस्थान के फिल्म उद्योग और यहां के कलाकारों के लिए नए अवसरों के द्वार खुलेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि 'ओमलो' क्षेत्रीय सिनेमा को एक नई पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। निर्माताओं ने बताया कि फिल्म को अंतरराष्ट्रीय फिल्म सर्किट में जबरदस्त सराहना मिली है और इसकी भावनात्मक कहानी ने विभिन्न देशों के दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाया है। फिल्म का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं बल्कि समाज के उन पहलुओं को भी सामने लाना है जिन पर अक्सर कम चर्चा होती है। राजस्थानी भाषा, लोक संस्कृति और संवेदनशील सामाजिक भावनाओं से जुड़ी ओमलो अब अपनी वैश्विक यात्रा के बाद ओटीटी पर एक नए और बड़े सफर की शुरुआत करने जा रही है।

राजस्थान पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: 100 पुलिस-निरीक्षकों के तबादले

सबसे अधिक पोस्टिंग अजमेर, भरतपुर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा रेंज में, सतपाल सिंह का ट्रांसफर निरस्त

जयपुर। राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने प्रदेशभर में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 100 पुलिस निरीक्षकों (इंस्पेक्टर) के तबादला आदेश जारी किए हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कार्मिक) बीजू जॉर्ज जोसफ की ओर से जारी आदेश के अनुसार सभी स्थानांतरण संबंधित अधिकारियों की स्वयं की प्रार्थना के आधार पर किए गए हैं। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। जारी सूची के अनुसार पुलिस आयुक्तालय जयपुर, आयुक्तालय जोधपुर, अजमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, भरतपुर, बीकानेर और कोटा रेंज के अलावा सीआईडी-सीबी, सीआईडी-सीबी सतर्कता शाखा, सीआईडी-सीबी सिविल राइट्स, एटीएस-एसओजी, एसीबी, जीआरपी, राजस्थान पुलिस अकादमी, प्रशिक्षण निदेशालय, पीटीएस भरतपुर, पीटीएस जोधपुर, पीटीएस खैरवाड़ा, पीटीएस बीकानेर, एजीटीएफ, लीगल सेल, पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं, एससीआरबी तथा राजस्थान राज्य महिला आयोग सहित कई इकाइयों में कार्यरत निरीक्षकों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तबादला सूची में रोहिताश, मेघना त्रिपाठी, हेमलता शर्मा, तुलसीराम, नरेंद्र सिंह, सुनील ताडा, मोहन सिंह, मुकेश चौधरी, छोटीलाल मीणा, रामेश्वरी, जगदीश सिंह, मुकेश चंद, करतार सिंह, प्रहलाद चंद, दिग्विजय सिंह, मुरारीलाल मीणा, सुमेर सिंह, हरिमन मीणा, हीरालाल, अजीत कुमार, कुसुमलता, तेजपाल सैनी, बच्चू सिंह, युधिष्ठिर, कंचन कुमारी, मांगेलाल, हरलाल, दयाराम मीणा, सुरेंद्र यादव, चौथमल बलाई, लक्ष्मीनारायण, कमल पुरी गोस्वामी, सत्यवीर, बशीलाल, महेंद्र सिंह, केशर, चंद्रवीर, अवधेश सांदू, महेश श्रीमाली, सुरेंद्र कुमार राणा, ज्ञानचंद, गंभीर सिंह, रामभरोसी मीणा, हरीसिंह मीणा, मदनलाल, हरेंद्र सिंह सौदा, आनंद यादव, मोहम्मद रफीक, माधोसिंह, दीप सिंह, प्रवीण राजपुरोहित, मिठूलाल मेघवाल, दलबीर सिंह, नेहरीलाल गुर्जर, हिमांशु सिंह राजावत, भीमसेन कौशिक, सुखवीर सिंह, प्रेमचंद, प्रदीप सिंह, विकांत शर्मा, विक्रम सिंह, प्रवीण कुमार, राकेश कुमार, गौरव प्रधान, सुधीर कुमार उपाध्याय, कमल किशोर, लीला कुमारी, चंपाराम मेघवाल, सुरेश कुमार सोनी, भारत सिंह, अमित कुमार, शिवदास, महीराम बिश्नोई, बेगराज मीणा, रमेशचंद मीणा, राजेश कुमार, संगीता बंजारा, सुरेशचंद मेघवाल, राजेश शर्मा, शैफाली सांखला, सरोज कुमारी, मोहनलाल, जितेंद्र कुमार गंगवानी, भरत सिंह, धर्मसिंह, अर्चना मीणा, रामकेश मीणा, भवानी सिंह राजावत, गीता कुमारी, संजू रानी, उर्मिला कुमारी, अशोक, नेकीराम, शेषकरण बारहट, मुकेश कुमार मीणा, विनोद कुमार शर्मा, अशोक कुमार सैनी, मनीषा, रूपनारायण तथा हरिसिंह देपावत समेत कुल 100 निरीक्षकों को नई तैनाती दी गई है।

आदेश के अनुसार सबसे अधिक पदस्थापन अजमेर रेंज, भरतपुर रेंज, जयपुर रेंज, जोधपुर रेंज, उदयपुर रेंज, कोटा रेंज, पुलिस आयुक्तालय जयपुर, पुलिस आयुक्तालय जोधपुर तथा सीआईडी-सीबी में किए गए हैं। कई अधिकारियों को एटीएस-एसओजी, जीआरपी, एसीबी, प्रशिक्षण संस्थानों और पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं में भी भेजा गया है।

पुलिस मुख्यालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि जिन निरीक्षकों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के प्रकरण अथवा राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम-16 के तहत कार्रवाई विचाराधीन या प्रस्तावित है, उन्हें फील्ड में पदस्थापित नहीं किया जाएगा।

ऐसे मामलों की सूचना तत्काल पुलिस मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पुलिस मुख्यालय ने 19 जून 2026 को जारी आदेश संख्या 1521 के तहत क्रम संख्या-3 पर अंकित पुलिस निरीक्षक सतपाल सिंह का अजमेर रेंज से पुलिस आयुक्तालय जयपुर किया गया स्थानांतरण निरस्त कर दिया है। सभी पुलिस आयुक्तों, रेंज महानिरीक्षकों, जिला पुलिस अधीक्षकों, प्रशिक्षण संस्थानों के कमांडेंट और संबंधित नियंत्रण अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्थानांतरित निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण कराना सुनिश्चित करें तथा इसकी अनुपालना रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भेजें।

बीते दिनों भी हुए थे ट्रांसफर

उस समय जयपुर के पुलिस आयुक्तालय और छ्ष्ट्र में भी कई अहम बदलाव देखने को मिला था। रमेश कुमार पारीक, ओम प्रकाश मीणा और सुरेश कुमार स्वामी को जेडीए में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनाती मिली। राजधानी में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए नए एसीपी भी लगाए गए। जबकि बीते मई महीने में 19 पुलिस निरीक्षकों के तबादले किए गए। उस समय दौसा, कोटपुतली-बहरोड़, जयपुर ग्रामीण और झुंझुनू सहित कई जिलों के थाना प्रभारियों व निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव हुआ था।

पूर्व एमएलए बलजीत-यादव को राहत नहीं,5 महीने से जेल में

हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका; विधायक निधि के दुरुपयोग और गबन का आरोप

जयपुर। बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। जस्टिस रवि चिरानिया की अदालत ने आज पूर्व विधायक की जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए उसे खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने 25 जून को दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। बलजीत यादव को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कोष से 3 करोड़ रुपए से अधिक की राशि के दुरुपयोग और गबन के आरोप में 3 फरवरी को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, ईडी मामलों की विशेष अदालत ने 25 अप्रैल को बलजीत यादव की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद पूर्व विधायक की ओर से हाईकोर्ट का रुख करते हुए जमानत याचिका दायर की गई थी।

ईडी ने कहा-गबन की राशि से संपत्तियां खरीदी

बहस के दौरान ईडी ने कहा कि इस मामले में एसीबी ने 12 दिसंबर 2024 को बलजीत यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। जिसके बाद ईडी ने उनके खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज करके मामले की जांच शुरू की। जांच में पता चला कि जिन फर्मों को काम के ठेके दिए गए वो वर्क ऑर्डर मिलने के बाद बनाई गई अथवा उनके जीएसटी पंजीकरण फर्जी थे। इन फर्मों के जरिए धनराशि यादव के सहयोगियों और रिश्तेदारों तक पहुंचाई गई। ईडी ने कहा कि बलजीत यादव ने गबन के 2.78 करोड़ रुपए से संपत्तियों की खरीद और राजनीतिक खर्चा किया।

यह था घोटाला

2021 में बलजीत यादव ने विधायक रहते हुए अलवर के 32 सरकारी स्कूलों में क्रिकेट बैट, बैडमिंटन किट और अन्य सामग्री खरीदी में भूमिका निभाई थी। आरोप है कि सामान ढाई-तीन गुना ज्यादा कीमत पर खरीदा। सामग्री घटिया क्वालिटी की थी। 3.72 करोड़ की हेराफेरी में यादव की भूमिका थी। इस केस में बालाजी कम्पलीट सोल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड, सूर्या इंटरप्राइजेज, राजपूत स्पोर्ट्स इंटरप्राइजेज, शर्मा स्पोर्ट्स इंटरप्राइजेज के संचालक व शिक्षा विभाग के कुछ कर्मचारी भी आरोपी बनाए गए हैं।

सीएम बोले- यमुना के पानी से किसान सोना पैदा करेगा: कांग्रेस पहले 1994 के समझौते को पढ ले, हम बिजली में भी सरप्लस होंगे

जयपुर। शेखावाटी के तीन जिलों (सीकर, चूरू और झुंझुनूं) तक यमुना का पानी लाने को लेकर 29 जून को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, राजस्थान और हरियाणा सरकार के बीच मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट हुआ। एमओए के बाद सीएम भजनलाल शर्मा मंगलवार को जयपुर लौटे। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक रोड शो किया। सीएम भजनलाल शर्मा ने जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि वो आलू से सोना बनाएंगे। मैंने शेखावटी के लोगों से कहा था कि हम यह तो नहीं कर सकते हैं, लेकिन हम यमुना का पानी लेकर आएंगे। जिसके बाद हमारा किसान जरूर सोना पैदा करेगा।

राजस्थान को अगर पानी मिलेगा तो हमारा राजस्थान आगे बढ़ेगा

सीएम भजनलाल शर्मा ने जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि आज का दिन राजस्थान के लिए ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि जब राजस्थान में हमारी सरकार आई थी तो सबसे पहले हमने राजस्थान का रोडमैप बनाया कि सबसे ज्यादा जरूरत किस चीज की है। सभी की मांग थी कि राजस्थान को अगर पानी मिलेगा तो हमारा राजस्थान आगे बढ़ेगा। हमारे किसान को पानी चाहिए, उद्योग को भी पानी चाहिए, पीने के लिए शुद्ध पानी जनता को चाहिए। हमारी कई परियोजनाएं 40-50 साल से लंबित थी।

ईआरसीपी, यमुना जल समझौता और देवास परियोजना सहित अन्य परियोजनाओं पर हमने पिछले ढाई साल में काम किया है।

कांग्रेस ने शेखावाटी के लोगों के साथ किया अन्याय

सीएम ने कहा कि आज मैं कांग्रेस के लोगों के बयान देख रहा था। वे 5 दिन पहले कुछ और कह रहे थे। हमने कहा कि इसका जवाब हम तभी देंगे, जब हमारा यह समझौता हो जाएगा। लेकिन आज उनके सुर बदल गए हैं। शेखावाटी के लोग आज मेरे सामने बैठे हैं। कांग्रेस के लोगों ने शेखावाटी के साथ जितना अन्याय किया, उतना किसी ने नहीं किया। जब वोट का समय आता था तो यह शिलान्यास कर देते थे। यमुना के पानी के सपने दिखाते थे। लेकिन इन्होंने आज तक इसे लेकर एक पत्र भी नहीं लिखा।

कांग्रेस ने हमेशा परियोजनाओं को रोककर उन्हें अटकाने का काम किया

सीएम भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा परियोजनाओं को अटकाने का काम किया है। उन्होंने केवल जनता को वोटों की खातिर लुभाने का काम किया।

राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली को उसके हिस्से का पानी मिलेगा

सीएम ने कहा कि कांग्रेस अपने शासनकाल की कोई भी बड़ी परियोजना बता दें, जिसे शुरू किया हो। सीएम ने कांग्रेस के उस बयान पर भी पलटवार किया था, जिसमें राजस्थान को कम पानी मिलने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि साल 1994 में हुए समझौते के अनुसार ही राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली को उसके हिस्से का पानी मिलेगा।

कांग्रेस ने राजस्थान के लोगों के दर्द को कभी महसूस नहीं किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक राजस्थान, हरियाणा और केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन कांग्रेस ने हमारे शेखावाटी और राजस्थान के लोगों के दर्द को कभी महसूस नहीं किया। उन्होंने इस दिशा में एक भी कदम आगे नहीं बढ़ाया।

जयपुर सेंट्रल जेल में विचाराधीन बंदियों के बीच मारपीट:एक घायल, हनुमान चालीसा पढ़ने पर टोका; फिर नुकीली वस्तु से हमला करने का आरोप

जयपुर। जयपुर की सेंट्रल जेल में हनुमान चालीसा पढ़ने को लेकर विचाराधीन बंदियों में मारपीट हो गई। जिससे एक बंदी घायल हो गया। आरोप है कि हनुमान चालीसा पाठ कर रहे बंदी पर दूसरे बंदी ने नुकीली वस्तु से हमला कर दिया। घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने घायल बंदी का तुरंत इलाज कराया। लालकोठी थाना पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच के अनुसार, हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे एक बंदी को दूसरे बंदी ने टोका, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच मारपीट हो गई। लालकोठी थानाधिकारी श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

20 साल पुराने पांचना-बांध जल विवाद पर बनी सहमति

जयपुर में किरोड़ी समेत 3 मंत्रियों ने दोनों पक्षों से की वार्ता, 6 जुलाई तक खुलेगा पानी

जयपुर। राजस्थान के 20 साल पुराने पांचना बांध जल विवाद को लेकर जयपुर में हाईलेवल मीटिंग में मंगलवार देर रात सहमति बन गई। बांध का पानी 6 जुलाई तक खोला जाएगा। दोनों पक्षों ने सहमति पत्र पर साइन किए। इससे पहले शिक्षा संकुल के माधव सभागार में मंगलवार रात 8 बजे बैठक हुई थी। जिसमें सरकार के तीन मंत्रियों और दोनों पक्षों के किसान प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता में सहमति नहीं बन पाई थी। कमांड एरिया के किसान बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए थे। इसके बाद मंत्री किरोड़ी लाल मीणा भी नाराज होकर बाहर निकल गए थे।

रात में दोबारा हुई बैठक

दो घंटे बाद रात 10 बजे फिर से कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा शिक्षा संकुल के माधव सभागार में पहुंचे। यहां किरो?ी ने पांचना बांध विवाद को लेकर मंत्री सुरेश रावत और जवाहर सिंह के साथ बातचीत की। इसके बाद तीनों मंत्रियों ने दोनों पक्षों के किसान प्रतिनिधियों से वार्ता करके विवाद को सुलझाया।

पांचना-बांध विवाद पर हाईकोर्ट नाराज, कहा-पानी क्यों नहीं दे रहे: 15 दिन का दिया समय, कलेक्टर को कोर्ट में हाजिर होने के लिए कहा

जयपुर। पांचना बांध से पानी छोड़ने के विवाद के बीच राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश की पालना नहीं होने पर नाराजगी जताई हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने सरकार से पूछा है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नहरों में पानी क्यों नहीं छोड़ा जा रहा हैं। इस पर सरकार ने अदालती आदेश की पालना के लिए 15 दिन का समय मांगा। कोर्ट ने सरकार को समय देते हुए कहा कि अगर नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया तो कलेक्टर और संबंधित अधिकारी 27 जुलाई को कोर्ट में पेश हो जाए। यह निर्देश बेंच ने मंगलवार को विधायक रामकेश मीणा व अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

पिछले 21 साल से नहीं मिल रहा पानी

वकील सारांश सैनी ने कोर्ट को बताया कि पांचना बांध से साल 1987 से 2005 तक कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़ा जा रहा था लेकिन प्रदेश में गुर्जर आंदोलन के बाद उनकी मांगों पर विचार करते हुए सरकार ने नहरों में पानी छोड़ना बंद कर दिया। जिसके कारण साल 2006 से नहरों के अंत में बसे कमांड एरिया के 35 गांवों (मुख्य रूप से मीणा बहुल) के किसानों को सिंचाई का पानी नहीं मिल रहा है। इस मामले को लेकर हाईकोर्ट साल 2020 और इसी साल अप्रेल-मई में नहरों में पानी छोड़ने का आदेश दे चुका हैं लेकिन प्रशासन आदेश की पालना नहीं कर रहा हैं।

क्या है पांचना बांध विवाद

पांचना बांध विवाद मुख्य रूप से राजस्थान के करौली और सवाई माधोपुर जिलों के 74 गांवों के बीच पानी के बंटवारे को लेकर पिछले 20 सालों से चल रहा हैं। बांध के आस-पास के 39 गांवों (मुख्य रूप से गुर्जर बहुल) का कहना है कि बांध के निर्माण में उनकी जमीनें गईं, इसलिए पहला हक उनका है, उन्हें डर है कि नहरों में पानी छोड़ने से उनके खुद के क्षेत्र में जल संकट गहरा जाएगा। वहीं दूसरी ओर नहरों के अंत में बसे कमांड एरिया के 35 गांवों (मुख्य रूप से मीणा बहुल) के किसानों को 2006 से सिंचाई का पानी नहीं मिल रहा है। उनकी मांग है कि राजस्थान हाईकोर्ट के आदेशानुसार नहरों में तुरंत पानी छोड़ा जाए क्योंकि पानी नहीं मिलने से उन्हें हर साल करोड़ों का नुकसान हो रहा है। पिछले महीने हाईकोर्ट के आदेश के बाद यह मामला गरमा गया था। विवाद को लेकर गुड़ला-पांचना संघर्ष समिति के बैनर तले ग्रामीण धरने पर बैठ गए थे। हालांकि पांच दिन पहले सरकार के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हो गया था।

कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर 11वें दिन प्रदर्शन

भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक की तबीयत बिगड़ी, पुलिस पर समर्थकों को रोकने के आरोप

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी का 11वें दिन भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी है। इसी बीच वहां तीन दिनों से भूख हड़ताल कर रहे लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की मंगलवार को तबीयत बिगड़ गई। आंदोलन के आयोजकों ने बताया कि वांगचुक का ब्लड शुगर स्तर घटकर 66 पर पहुंच गया है, जो सामान्य से कम माना जाता है। वांगचुक 28 जून से भूख हड़ताल कर रहे हैं। वह शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। समर्थकों और पार्टी के सदस्यों को प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने से रोका जा रहा है। कुछ लोगों को पहचान पत्र नहीं होने के कारण प्रवेश नहीं दिया गया।

सोनम वांगचुक 170 दिन जोधपुर जेल में रहे

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आंदोलन कर रहे सोनम वांगचुक 170 दिन से वे जोधपुर जेल में थे। सोनम के अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह हिंसा हुई थी। इन प्रदर्शनों में 4 लोगों की मौत हुई थी। 90 लोग घायल हुए थे। सरकार का आरोप है कि वांगचुक ने इस हिंसा को भड़काया। दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट कर दिया था।

दीपके का दावा- राजस्थान पैरामेडिकल का पेपर जयपुर में लीक हुआ

पेपर लीक सिर्फ नीट तक सीमित नहीं है, बल्कि कई परीक्षाएं अनियमितताओं का शिकार हो रही हैं। राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल परीक्षा का पेपर भी जयपुर के कॉलेज से लीक हुआ। अगर आज आप आवाज नहीं उठाएंगे तो कल आपका पेपर भी लीक हो सकता है और आपकी नौकरी भी खतरे में पड़ सकती है। सरकार और प्रशासन पेपर माफिया पर कार्रवाई करने के बजाय प्रदर्शनकारियों को रोकने पर ध्यान दे रहे हैं। आंदोलन को दबाने की कोशिश की जा रही है। हम वायरस नहीं हैं, बल्कि उस वायरस के खिलाफ वैक्सीन हैं। डबल इंजन वाली सरकार में डबल इंजन-डबल लीक हो रहा। दबाव और रोक-टोक के बावजूद प्रदर्शन जारी रहेगा।

"क्या जंतर-मंतर आने के लिए एक सामान्य नागरिक को पहचान पत्र की जरूरत होनी चाहिए। समर्थकों को धरना स्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए परिवहन व्यवस्था में भी बाधा डाली जा रही है।

अभिजीत दीपके
फाउंडर, CJP

सीजेआई की टिप्पणी के बाद बनी सीजेपी, युवाओं को कॉकरोच कहा था

कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद हुई। 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करते हैं। इस टिप्पणी के अगले दिन, 16 मई को अमेरिका में रह रहे अभिजीत दीपके ने सीजेपी की शुरुआत की और सोशल मीडिया पर पार्टी के अकाउंट बनाए। 22 मई को उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक ऑनलाइन याचिका शुरू की, जिसे 8 लाख से अधिक लोगों का समर्थन मिलने का दावा किया गया। 10 जून तक सीजेपी ते इंस्टाग्राम पर 2.27 करोड़ फॉलोअर्स थे। अब इसमें दो लाख की गिरावट आई है। फिर भी यह संख्या भाजपा के 94 लाख और कांग्रेस के 1.37 करोड़ फॉलोअर्स से ज्यादा है। एक्स पर सीजेपी के 2.79 लाख फॉलोअर्स हैं।

छात्र संगठनों का भी समर्थन

प्रदर्शन में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के छह छात्र नेता भी शामिल हैं, जो अलग मंच से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे हैं। इनमें संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा, जेएनयू छात्रसंघ के संयुक्त सचिव दानिश समेत अन्य छात्र नेता शामिल हैं। सीजेपी का यह आंदोलन 20 जून से जारी है और इसकी शुरुआत नीट समेत कई परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोपों और पेपर लीक के विरोध में की गई थी। पार्टी ने कहा कि आने वाले दिनों में शिक्षा के साथ-साथ अन्य जवाबदेही से जुड़े मुद्दे भी आंदोलन का हिस्सा बनाए जाएंगे।

महाराष्ट्र के रहने वाले अभिजीत आप से जुड़े थे

30 साल के अभिजीत महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटजिस्ट हैं। अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढाई की है। फिलहाल, अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशंस से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं।

जनरल द्विवेदी आर्मी चीफ पद से रिटायर

बोले- सेना ने जिम्मेदारियां बखूबी निभाई, ऑपरेशन सिंदूर उदाहरण; नए जनरल धीरज सेठ ने पदभार संभाला

नई दिल्ली। जनरल उपेंद्र द्विवेदी मंगलवार को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हो गए। रिटायरमेंट से पहले उन्होंने नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। द्विवेदी ने कहा- दो सालों में भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर अपनी तैयारी, संतुलन और सतर्कता मजबूत बनाए रखी। ऑपरेशन सिंदूर इसका प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज मैं यह जिम्मेदारी जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक अनुभवी सैनिक और सक्षम नेता हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं को कायम रखते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। द्विवेदी की जगह जनरल धीरज सेठ ने ली है। उन्होंने आज कार्यभार संभाल लिया है। सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ हैं। उन्हें भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने दिसंबर 1986 सेना ज्वॉइन की थी।

जनरल द्विवेदी ने कहा- भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर तैयारी रखी

जनरल द्विवेदी ने कहा कि उत्तरी सीमाओं पर ऑपरेशन स्नो लेपर्ड के तहत हमारी तैनाती पूरी मजबूती और चौकसी के साथ रही। पश्चिमी मोर्चे पर भी सेना ने गंभीरता और संयम के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर मामले में भारतीय सेना ने स्पष्ट उद्देश्य, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व निभाए हैं, जिससे न्यू नॉर्मल की नई परिभाषा स्थापित हुई है। इस दौरान तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और मजबूत हुआ है। थल सेना, नौसेना और वायुसेना ने साझा दृष्टिकोण, आपसी विश्वास और बेहतर समन्वय के साथ काम किया है।

बंगाल- हल्दिया रिफाइनरी के पास आग लगी, 1 की मौत

20 से ज्यादा घायल, पास से गुजर रही रेलवे लाइन पर भी असर, ट्रेन सर्विस प्रभावित

हल्दिया। पश्चिम बंगाल के हल्दिया में सोमवार देर रात 2.45 बजे हल्दिया रिफाइनरी के पास भीषण आग लग गई, जिससे एक शख्स की मौत हो गई जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर है। आग की चपेट में हल्दिया नगर पालिका के वार्ड-13 के चिरंजीबपुर इलाके के कई घर आ गए थे। पुलिस के मुताबिक, सभी पीड़ितों को हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल में एडमिट कराया गया है। पांच घायलों को तमलुक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया। आग पर काबू पाने के लिए 20 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगाई गई थीं। दोपहर 2 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। साउथ रेलवे के मुताबिक जहां आग लगी उसके पास से हल्दिया और दुर्गाचक लाइन गुजरी है। सुरक्षा के मद्देनजर अगले आदेश तक के लिए ट्रेन सर्विस रोक दी गई है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने हल्दिया रिफाइनरी में आग लगने की खबरों को खारिज किया है।

सरकार बोली- पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाना एक एक्सपेरिमेंट

असर अगले साल पता चलेगाः सुप्रीम कोर्ट का मौजूदा सप्लाई पॉलिसी जारी रखने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड से एथेनॉल खरीद बढ़ाने पर विचार करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश BPCL की याचिका पर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकार की मौजूदा पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होगा। BPCL ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण की राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर सकता है। इस दौरान केंद्र सरकार ने बताया कि पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक्सपेरिमेंट है। इसका पूरा असर अगले साल तक पता चलेगा।

क्या है एथेनॉल सप्लाई का विवाद

एथेनॉल सप्लाई का यह विवाद कर्नाटक की विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड की याचिका से जुड़ा है। विन्प ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाते हुए दलील दी थी कि उसका एथेनॉल बनाने का प्लांट है। इसकी सलाना उत्पादन क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है, लेकिन उसे केवल 3.92 करोड़ लीटर का आवंटन किया गया है। सरकार ने कहा था कि किसी कंपनी को पहले ज्यादा आवंटन मिला तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि कंपनी को हर बार उतनी ही मात्रा में आवंटन मिलेगा। हाईकोर्ट ने BPCLको खरीद कोटा बढ़ाने पर विचार करने को कहा। इस आदेश के खिलाफ BPCLने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। कोर्ट रूम लाइव- अटॉर्नी जनरल- यदि एक सप्लायर का कोटा बढ़ाया जाता है तो अन्य कंपनियां भी समान मांग लेकर अदालत पहुंच सकती हैं। इससे देशभर में ऐसे मामलों की बाढ़ आ सकती है और नेशनल पॉलिसी प्रभावित होगी। एथेनॉल सप्लाई के अनुबंध अक्टूबर 2025 में अंतिम रूप ले चुके हैं। 378 सप्लायर्स को कुल 1,050 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति का आवंटन किया गया था, जिनमें से 18 जून तक 680 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति हो चुकी थी। अटॉर्नी जनरलः इसी तरह की कई याचिकाएं देश के अलग-अलग हाईकोर्ट में पेंडिंग हैं। इस मुद्दे पर अक्टूबर से पहले फैसला होना जरूरी है, क्योंकि उसी समय एथेनॉल सप्लाई का नया एग्रीमेंट होना है।

सरकार बोली- 1.4 लाख करोड़ की बचत हुई

सरकार का कहना है कि एथेनॉल मिश्रण योजना से कच्चे तेल का आयात कम हुआ है और देश को 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। इससे ऊर्जा सुरक्षा बढ़ी है और प्रदूषण भी कम हुआ है। भारत ने पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य तय समय से पांच साल पहले पूरा कर लिया है। 1 अप्रैल से पूरे देश में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल मिल रहा है। अब सरकार ने 2030 तक 30% एथेनॉल मिश्रण का नया लक्ष्य रखा है।

सरकार ने E20 को बताया सुरक्षित

हाल के दिनों में कुछ लोगों, खासकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े लोगों ने आशंका जताई है कि E20 पेट्रोल से पुरानी गाड़ियों को नुकसान पहुंच सकता है और ईंधन दक्षता कम हो सकती है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इन आशंकाओं को खारिज किया है। तेल मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि E20 ईंधन से वाहन इंश्योरेंस अमान्य होने या वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों के समर्थन में कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। मंत्रालय के अनुसार, एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम सुरक्षित, उपभोक्ता हितैषी और आर्थिक रूप से फायदेमंद है।

हाईकोर्ट ने कहा था- एथेनॉल सप्लाई बढ़ाने पर विचार करें

कर्नाटक हाईकोर्ट ने BPCL, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को आदेश दिया था कि वे VINP डिस्टिलरीज एंड शुगर्स की 2025-26 के लिए ज्यादा एथेनॉल आवंटन की मांग पर विचार करें। कोर्ट ने कहा था कि सरकार की नीति के तहत बने ऐसे एथेनॉल प्लांट, जो सिर्फ ऑयल कंपनियों को एथेनॉल बेचते हैं, उन्हें लॉन्ग टर्म ऑफटेक एग्रीमेंट के तहत मिलने वाली प्राथमिकता का लाभ मिलना चाहिए।

कई देशों में एथेनॉल मिला पेट्रोल पहले से इस्तेमाल हो रहा

सरकार के मुताबिक, अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे कई देशों में एथेनॉल मिला पेट्रोल पहले से इस्तेमाल हो रहा है।
सरकार का कहना है कि इस योजना से भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की विदेशी मुद्रा बचाई है। इससे ऊर्जा सुरक्षा बढ़ी है, प्रदूषण कम हुआ है और किसानों को भी फायदा मिला है। भारत पिछले साल ही पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य तय समय से पांच साल पहले हासिल कर चुका है। एक अप्रैल से पूरे देश में ई 20 पेट्रोल की सप्लाई शुरू हो चुकी है। अब सरकार 2030 तक इसे बढ़ाकर 30% करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

एसआईआर पर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लेटर लिखा

डीएमके ने भी दस्तखत किए, बोले- चुनाव आयोग की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्ढ्क्र) प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने मंगलवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लेटर लिखा। DMK के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जबकि लोकतंत्र का आधार सभी वयस्क नागरिकों को वोट का अधिकार देना है। लेटर पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम समेत 23 विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं।

एसआईआर प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर प्रभाव पड़ा

सूत्रों के मुताबिक, लेटर पर साइन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल हैं। लेटर में कहा गया है कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं अपेक्षित तरीके से काम नहीं करतीं, तब देश की जनता न्यायपालिका की ओर उम्मीद से देखती है। इसमें चुनाव आयोग की भूमिका और एसआईआर प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर पड़े प्रभाव की बात की गई।

कांग्रेस महासचिव बोले- विपक्ष एकजुट है

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि 8 जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक में लेटर भेजने का फैसला लिया गया था। TMC सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल बीजेपी को फायदा पहुंचाने और चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से विपक्षी दलों ने सीजेआई को लेटर लिखकर चुनावी प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा की मांग की है। सागरिका ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि 23 विपक्षी दलों ने संयुक्त रूप से सीजेआई को लेटर लिखकर न्यायपालिका से अपील की है कि SIR प्रक्रिया का इस्तेमाल बीजेपी के फायदे के लिए किस तरह किया जा रहा है, इसकी जांच की जाए। INDIA ब्लॉक की 8 जून को 2 साल बाद 7वीं बैठक दिल्ली में हुई थी। इसमें 25 दलों के नेता शामिल हुए थे। बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, समेत कई नेता मौजूद रहे। वहीं उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन वर्चुअली जुड़े। मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा-एसआईआर में करोड़ों वोटर के नाम कटे।

एसआईआर और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर सीजेआई को लेटर लिखेंगे। सरकार को महंगाई, बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।

गठबंधन हर 2 महीने में और मानसून सत्र के दौरान भी बैठक करेगा। अगली बैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।